



NEP 2020 की 4थी वर्षगांठ

प्रलम्बिस के लयि:

[राष्ट्रीय शकषिा नीति \(NEP\) 2020](#), [मधयाहन भोजन योजना](#), [सतत वकिस लकष्य](#), [PARAKH](#), [NIPUN](#), [भारतीय सांकेतिक भाषा \(ISL\)](#), [राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन](#)

मेन्स के लयि:

शकषिा में सरकारी नीतयिों एवं हसतकषेपों का महत्त्व और बच्चों से संबंढति मुददे ।

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

चरचा में कयों?

हाल ही में, केंद्रीय शकषिा मंत्रालय ने "शकषिा सप्ताह" नामक एक सप्ताह के अभयान के साथ [राष्ट्रीय शकषिा नीति \(NEP\) 2020](#) की चतुरथ वर्षगांठ मनाई ।

- यह अभयान NEP 2020 की उपलब्धयिों और उददेश्यों को बढ़ावा देने तथा उनका उत्सव मनाने के लयि बनाया गया है ।

शकषिा सप्ताह के तहत कया पहल की गई है?

- वदियांजलि कारयकरम:
 - वर्ष 2021 में शुरू कयिा गया, यह स्कूल शकषिा और साकषरता वभिाग दवारा एक पहल है, जो समुदाय के सदस्योँ एवं स्वयंसेवकोँ को एक ऑनलाइन पोर्टल के माधयम से सरकारी तथा सरकारी सहायता प्रापत स्कूलों से जोडता है ।
 - वदियांजलि पोर्टल पूरव छात्रों, शकषकोँ, वैज्जानकिों और अन्य लोगों को भारत भर के स्कूलों में सेवाओं, सामग्रयिों या वशिषज्जता का योगदान करने में सकषम बनाता है, जो NEP- 2020 के उददेश्यों के अनुरूप स्कूलों, स्वयंसेवकोँ एवं समुदाय को एकीकृत करके अधगिा के माहौल को बेहतर करता है ।
- तथिा भोजन:
 - इस पहल के तहत, समुदाय के लोग [मडि डे मील योजना](#) में योगदान देकर बच्चे के जन्म, वविाह, जन्मदनि आदि जैसे महत्त्वपूरण दनि मनाते हैं ।
 - तथिा भोजन मडि डे मील का वकिल्प नहीं है, बल्कयिह मडि डे मील का पूरक है ।
 - नवीनतम मेनु को बढ़ावा देने के लयि ब्लॉक, ज़िला और राज्य स्तर पर पाक कला प्रतयिोगतिाएँ आयोजति की जाती हैं ।

राष्ट्रीय शकषिा नीति 2020 कया है?

- परचिय:
 - [राष्ट्रीय शकषिा नीति \(NEP\) 2020](#) का उददेश्य भारत की सांस्कृतिक वरिसत को संरकषति करते हुए 21वीं सदी के लकष्यों और [सतत वकिस लकष्य 4 \(SDG4\)](#) को पूरा करने के लयि शकषिा प्रणाली में सुधार करके भारत की उभरती वकिस आवश्यकताओं को पूरा करना है ।
 - इसने [राष्ट्रीय शकषिा नीति, 1986](#) का स्थान लयिा, जसिे वर्ष 1992 में संशोधति कयिा गया था ।
- मुख्य वशिषताएँ:
 - [सार्वभौमकि पहुँच](#): NEP 2020 प्री-स्कूल से लेकर माधयमकि स्तर तक स्कूली शकषिा के सार्वभौमकि अभगिा पर केंद्रति है ।
 - [प्रारंभकि बाल शकषिा](#): 10+2 संरचना 5+3+3+4 प्रणाली में स्थानांतरति हो जाएगी, जसिमें 3-6 वर्ष के बच्चों को स्कूली पाठ्यकरम के तहत लाया जाएगा, जसिमें प्रारंभकि बाल्यकाल देखभाल और शकषिा (Early Childhood Care and Education- ECCE) पर वशिष धयान दयिा जाएगा ।

- बहुभाषावाद: कक्षा 5 तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा होगी, जिसमें संस्कृत और अन्य भाषाओं के विकल्प भी होंगे। **भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL)** को मानकीकृत किया जाएगा।
- समावेशी शिक्षा: सामाजिक एवं आर्थिक रूप से वंचित समूहों (SEDG) को विशेष प्रोत्साहन, दवियांग बच्चों के लिये सहायता और "बाल भवन" की स्थापना।
- सकल नामांकन अनुपात (GER) वृद्धि: वर्ष 2035 तक सकल नामांकन अनुपात को 26.3% से बढ़ाकर 50% करने का लक्ष्य 3.5 करोड़ नए नामांकन जोड़ना है।
- अनुसंधान फोकस: अनुसंधान संस्कृत और क्षमता को बढ़ावा देने के लिये **राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन** का निर्माण।
- भाषा संरक्षण: अनुवाद और व्याख्या संस्थान (IITI) सहित भारतीय भाषाओं के लिये समर्थन एवं भाषा वभिणों को मज़बूत करना।
- अंतरराष्ट्रीयकरण: अंतरराष्ट्रीय सहयोग की सुविधा और शीर्ष क्रम वाले विदेशी विश्वविद्यालयों का आगमन।
 - उदाहरण के लिये, वर्ष 2023 में **UGC** ने विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर स्थापित करने की सुविधा प्रदान करने के लिये वनियम जारी किये।
- फंडिंग: शिक्षा में सार्वजनिक निवेश को **सकल घरेलू उत्पाद के 6% तक बढ़ाने के लिये संयुक्त प्रयास**।
- परख मूल्यांकन केंद्र: राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र के रूप में **परख (समग्र विकास के लिये प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और ज्ञान का विश्लेषण)** की स्थापना शिक्षा में योग्यता को आधार बनाने तथा समग्र मूल्यांकन करने की दृष्टि में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
- लिंग समावेशन नधि: यह नीति एक लिंग समावेशन नधि की शुरुआत करती है, जो शिक्षा में लैंगिक समानता के महत्त्व पर जोर देती है और वंचित समूहों को सशक्त बनाने की पहल का समर्थन करती है।
- विशेष शिक्षा क्षेत्र: वंचित क्षेत्रों और समूहों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये **विशेष शिक्षा क्षेत्रों** की कल्पना की गई है, जो सभी के लिये गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुँच की नीति की प्रतबिद्धता को आगे बढ़ाते हैं।

नपिण भारत मशिन की उपलब्धियाँ क्या हैं?

परिचय:

- **NEP 2020** की एक प्रमुख सफ़ारिश यह सुनिश्चित करना थी कि बच्चे कक्षा 3 तक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशल विकसित कर लें।
- इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये, केंद्र ने वर्ष 2021 में **नपिण (बेहतर समझ और संख्यात्मक ज्ञान के साथ शिक्षा में प्रवीणता के लिये राष्ट्रीय पहल)** भारत मशिन की शुरुआत की।

जनसांख्यिकीय रुझान:

- **सर्व शिक्षा अभियान** के कारण 6-14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के नामांकन स्तर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2000 के दशक के प्रारंभ तक ग्रामीण भारत में 90% से अधिक तक पहुँच गया।
- वर्ष 2010 और वर्ष 2022 के बीच, 4-8 वर्ष की आयु के बच्चों वाली माताओं का प्रतिशत, जिन्होंने कक्षा 5 से आगे शिक्षा प्राप्त की है, **35% से बढ़कर लगभग 60%** हो गया है।
- 10 वर्ष से अधिक स्कूली शिक्षा प्राप्त करने वाली माताओं का अनुपात भी **10% से बढ़कर 20% से अधिक** हो गया।
- शिक्षा में वृद्धि के बावजूद, **भारत में महिला श्रमबल भागीदारी 37% पर बनी हुई है**, तथा युवा महिलाओं (15-29 वर्ष) की भागीदारी दर और भी कम है।
- शिक्षित माताएँ अपने बच्चों की शिक्षा में महत्त्वपूर्ण रूप से सहयोग कर सकती हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में युवा पुरुषों की कार्यबल में उच्च भागीदारी को देखते हुए।
- **कोविड-19 महामारी** ने शिक्षा में अभिभावकों की भागीदारी बढ़ा दी है, जिससे अधिक सहभागिता के लिये एक मसाल कायम हुई है।
- **नपिण भारत मशिन** के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये, बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता में सुधार हेतु परिवार, विशेष रूप से मातृ भागीदारी को तथा अधिक प्रोत्साहित करना महत्त्वपूर्ण है।

दृष्टिभेन्स प्रश्न

प्रश्न. समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये NEP 2020 में प्रस्तावित उपायों पर चर्चा कीजिये। नीति सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समूहों (SEDG) को समर्थन देने की योजना कैसे बनाती है?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-से मूलतः 'समावेशी शासन' के अंग कहे जा सकते हैं?(2012)

1. गैर-बैंक वित्तीय कम्पनियों को बैंकगि करने की अनुमति प्रदान करना
2. सभी ज़िलों में प्रभावी ज़िला योजना समितियों संगठित करना
3. जन-स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय में बढ़ोतरी करना
4. 'दोपहर का भोजन' योजना का सशक्तीकरण करना

नमिंनलखिति कूटों के आधर पर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3 और 4
- (c) केवल 2, 3 और 4
- (d) 1,2, 3 और 4

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न. राष्ट्रिय शक्ति 2020 धरणीय वकिस लक्ष्य-4 (2030) के साथ अनुरूपता में है। उसका ध्येय भरत में शक्ति प्रणाली की पुनःसंरचना और पुनःस्थापना है। इस कथन का समालोचनात्मक नरीक्षण कीजयि। (2020)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/4th-anniversary-of-nep-2020>

